आम सूचना

आम जनता विशेषतः कृषक व बागवानों को सूचित किया जाता है कि आने वाले कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश के ऊना, सोलन, कांगड़ा और बिलासपुर जिलों में टिड्डी का प्रकोप हो सकता है। यह एक प्राकृतिक आपदा है इसके नियन्त्रण हेतु कृषि/बागवानी विभाग एवं सम्बन्धित पूरा प्रशासन बचाव कार्य के लिए तैयार है। इतनी बड़ी आपदा का सामना हमें आपसी सहयोग से करना होगा। इस प्राकृतिक आपदा से निपटने हेतु किसानों/बागवानों निम्नलिखित के लिए कुछ सुझाव, उपाय एवं सावधानियाँ बरतने की आवश्यकता है।

- सभी किसान/बागवान भाई अपने क्षेत्र में टिड्डी के प्रति सजग रहें। टिड्डी अगर आपके क्षेत्र में आती है तो आप आपदा प्रबन्धन नियन्त्रण कक्ष के नम्बर (1077, 1070) पर सूचना दर्ज करें।
- दवा का स्प्रे आवश्यकता अनुसार केवल रात्री के समय असिंचित क्षेत्रों पर ही करें। क्योंकि यह स्प्रे बहुत ही उच्च स्तर का किटनाशक है जो सिंचित क्षेत्र के लिए प्रतिबन्धित है। अतः इस हेतू सिंचित क्षेत्र के लिए किसान भाई निम्न किटनाशकों का स्प्रे अपने निजी इस्तर पर पॉवर स्प्रे द्वारा करें:—

किटनाशक	मात्रा प्रति लिटर पानी के साथ

1. क्लोरोपायरिफॉस 20%EC ——————————2.5ml प्रति लिटर पानी में घोलें
2. क्लोरोपायरिफॉस 50%EC ——————————1.0ml प्रति लिटर पानी में घोलें
3. डेल्टामेथरिन 2.8%EC ———————————1.0ml प्रति लिटर पानी में घोलें
4. लेम्बडासायलोथिन 5%EC ——————————1.0ml प्रति लिटर पानी में घोलें

उक्त किटनाशकों में से किसी एक को सिलिकन स्प्रेटर 0.4ml प्रति लिटर पानी में घोल के साथ टिड्डी प्रभावित क्षेत्र पर स्प्रे करें।

- किसान भाई किटनाशक का स्प्रे टिड्डी दल के ठहराव के समय ही करें।
- हवा कि दिशा से 90 डिग्री में चलते हुए हवा की दिशा में स्प्रे करते चलें।
- उक्त किटनाशक किटनाशक विकेता एवं सम्बन्धित स्थानों पर उचित दरों पर उपलब्ध है।

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण,
राजस्व विभाग—आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में जारी।
राज्य व जिला आपदा प्रबंधन हैल्पलाईन (टॉल फ्री)—1070, 1077
Email: sdma-hp@nic.in Website: www.hpsdma.nic.in